दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 18 जनवरी 2022 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 112

महत्वपूर्ण एवं खास

सुप्रसिद्ध समाजसेवी पद्मश्री से सम्मानित शांति देवी का निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

भुवनेश्वर (आरएनएस)। सामाजिक कार्यकर्ता और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित शांति देवी का कल रात ओडिशा के रायगडा जिले के गुनुपुर में उनके आवास पर निधन हो गया। शांति देवी ओडिशा में एक जानी मानी सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उनके निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया है। ट्विटर पर उन्होंने लिखा है कि 'शांति देवी जी को गरीबों और वंचितों की आवाज के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने दुखों को दूर करने और एक स्वस्थ और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया। उनके निधन से आहत हूं। मेरे विचार उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ है। शांति देवी ने आदिवासी लड़कियों के आगे बढ़ने के लिए बहुत काम किया। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से आदिवासी लड़कियों के उत्थान के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। समाज सेवा आंदोलन के प्रमुख अग्रदूतों में से एक के रूप में, उन्हें वर्ष 2021 में देश के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। शांति देवी का जन्म 18 अप्रैल 1934 को हुआ था। सामाजिक कार्यकर्ता ने कोरापुट में एक छोटा आश्रम शुरू किया और बाद में रायगढ़ में सेवा समाज की स्थापना की। सेवा समाज का गठन बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किया गया था। फिर यह सामाजिक कार्य की कभी न खत्म होने वाली यात्रा थी जहां उन्होंने गनपुर में एक और आश्रम स्थापित किया। इस आश्रम ने अनाथ और बेसहारा बच्चों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास की दिशा में काम किया।

हाइवा की चपेट में आने से छात्र की हुई मौत

भागलपुर (आरएनएस)। बिहार में भागलपुर जिले के कजरैली थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह हाइवा की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि शाहकुंड क्षेत्र के अंबा गांव निवासी सुरेंद्र कुमार का पुत्र धनंजय कुमार (22) कोचिंग में पढ़ने के लिये सुबह मोटरसाइकिल से भागलपुर जा रहा था, तभी रास्ते में सरदारपुर गांव के समीप तेज गति हाइवा ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में धनंजय की मौके पर ही मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के बाद हाइवा का चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

पाकिस्तान से भेजे गए 24 बमों में से एक था गाजीपुर में मिला विस्फोटक, देश भर में अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की जांच में पता चला है कि गाजीपुर फूल बाजार से बरामद किए गए आईईडी 24 बमों की खेप का हिस्सा था, जिसे सीमा पार से या तो जमीन के जरिए या समुद्री मार्ग से पाकिस्तानी डीप स्टेट द्वारा स्थानीय आतंकवादियों को भेजा गया था। हाल ही में जम्मू-कश्मीर और पंजाब से बरामद की गई डिवाइसेज को भी उसी खेप का हिस्सा माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि कुछ उपकरणों की तस्करी गुजरात और उत्तर प्रदेश में की गई हो सकती है। दिल्ली पुलिस के टॉप जांचकर्ताओं के मुताबिक, गाजीपुर डिवाइस एक टिफिन बम था जिसमें तीन किलोग्राम आरडीएक्स कोर चार्ज के रूप में और अमोनियम नाइट्रेट सेकेंडरी चार्ज के तौर पर था। डिवाइस को स्टील के टिफिन में कीलों और बॉल बेयरिंग के साथ पैक किया गया था और इसे दूर से ही उड़ाया जा सकता था। भारत में मौजूद स्लीपर मॉड्यूल के लिए सीमा पार से तस्करी एचटी को पता चला है कि इन आईईडी को भारत में मौजूदा स्लीपर मॉड्यूल के साथ-साथ कुछ आपराधिक गिरोहों के लिए सीमा पार से तस्करी कर लाया गया था। सितंबर 2021 में दिल्ली पुलिस ने मुंबई, लखनऊ, इलाहाबाद और दिल्ली में गिरफ्तारियों के साथ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, जिसे इस आईईडी रिकवरी से जोड़ा गया है। आईईडी खेप पिछले स्वतंत्रता दिवस के आसपास भारत आई जांचकर्ताओं का मानना है कि आईईडी की खेप पिछले स्वतंत्रता दिवस के आसपास भारत आई थी। जबकि दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां खेप से अन्य आईईडी बरामद करने की कोशिश कर रही हैं।

देश में कोरोना संक्रमण का जारी कहर : 24 घंटे में 258089 नए मामले, 385 लोगों की मौत

» सक्रीय मरीजों का आंकड़ा 16 लाख के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना महामारी की तीसरी लहर का कहर लगातार जारी है। देश में पिछले एक दिन में कोरोना के 2,58,089 नए मामले आने से उपचाराधीन सक्रीय मरीजों की संख्या बढ़कर साढ़े 16 लाख से ज्यादा हो गई है। इस दौरान संक्रमण से 385 लोगों की मौत भी दर्ज की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ो के अनुसार पिछले चार दिनों से लगातार 2.5 लाख से अधिक दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। सोमवार बीते 24 घंटे में 2,58,089) मामले सामने आए हैं जो हालांकि कि रविवार की तुलना में 13 हजार कम हैं। इसके बावजूद देश में सक्रीय मरीजों की संख्या 16,56,341 हो गई है, जो कुल मामलों का 4.43 प्रतिशत हो गया है। हालांकि इस दौरान 1,51,740 मरीज संक्रमणमुक्त होकर स्वस्थ भी हुए हैं। देश में दैनिक संक्रमण दर बढ़कर 19.65 फीसदी हो गई है। जबकि देश में लोगों के स्वस्थ होने की दर 95 फीसदी से अधिक है। साप्ताहिक संक्रमण दर 14.41 फीसदी है। रविवार को कोरोना के लिए 13,13,444 सैंपल टेस्ट किए गए, कल तक कुल 70,37,62,282 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

टीकाकरण 157 करोड़ से पार- सोमवार को सुबह सात बजे तक की टीकाकरण रिपोर्ट के अनुसार 24 घंटे के दौरान 39 लाख से अधिक खुराक दी गई और कुल संख्या 157.20 करोड़ से ज्यादा हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 15-18 साल के बच्चों को 3.45 करोड़ से अधिक पहली खुराक दी जा चुकी है। भारत में कोविड टीकाकरण अभियान पिछले साल 16 जनवरी को शुरू हुआ था।

ओमिक्रॉन 8 हजार के पार- कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। देश में अब तक ओमिक्रॉन के कुल 8,209 मामले सामने आ चुके हैं। पिछले 24 घंटे में ओमिक्रॉन केस में 6.02 फीसदी की वृद्धि हुई है।

राज्यों में ऐसे है कोरोरा कहर- इस बीच महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना के 41,327 नए मामले सामने आए। इस दौरान 29 मरीजों की मौत हुई। राज्य में फिलहाल 2,65,346 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। यहां बीते 24 घंटे में आठ ओमिक्रॉन मामलों की सूचना मिली, जिसके बाद कुल मामलों की संख्या 1,738 हो गई है। कर्नाटक में रविवार को कोरोना के 34,047 नये मामले सामने आए, जिसके बाद प्रदेश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 32,20,087 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 18,286 नए मामले सामने आए और 28 मरीज़ों की मौत हुई। सक्रिय मामले घटकर 89,819 हो गए हैं। पॉजिटिविटी दर 27.87 प्रतिशत है। पश्चिम बंगाल में रविवार को कोरोना के 14,938 नए मामले दर्ज किए गए और 36 मरीजों की मौत हुई। इसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या 18,97,699 और मरने वालों की संख्या 20,088 हो गई है। पश्चिम बंगाल में 1,60,305 सक्रिय मामले हैं। गुजरात में पिछले 24 घंटे में 10,150 नए मामले सामने आए हैं।

पीएम सुरक्षा में चूक का मामला : जांच कर रहीं जस्टिस इंदु मल्होत्रा को मिली धमकी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक के मामले की जांच कर रहे पैनल की अध्यक्षता कर रहीं पूर्व जस्टिस इंदु मल्होत्रा को धमकी मिलने की खबर है। जस्टिस इंदु मल्होत्रा को धमकी भरी कॉल आई थी। कॉल करने वाले शख्स या वह किस समूह से जुड़ा हुआ है, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। जस्टिस इंदु मल्होत्रा को सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह ही पीएम की सुरक्षा चूक की जांच करने वाले पैनल का अध्यक्ष नियुक्त किया था। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला सुप्रीम कोर्ट में दायर करने वाले वकीलों को भी धमकी मिली थी। इन धमकियों के पीछे विदेश में सक्रिय खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस का हाथ बताया गया था।

सूत्रों के मुताबिक जस्टिस मल्होत्रा को यह धमकी सिख्स फॉर जस्टिस नाम के संगठन की ओर से दी गई है। इस संगठन ने धमकी भरे ऑडियो क्लिप जारी किए हैं। धमकी में कहा गया है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी और सिखों में से किसी एक को चुनना होगा। इससे पहले इस केस से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के कई वकीलों को धमकी भरे कॉल आए थे। वकीलों से भी प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा की चूक के मामले से दूर रहने को कहा गया था। बता दें कि 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में हुई चूक की जांच के लिए कमेटी का ऐलान किया था। यह पांच सदस्यीय कमेटी पूर्व न्यायाधीश इंदु मल्होत्रा की अध्यक्षता में गठित की गई है। इससे पहले वकीलों को दी गई धमकी में कहा गया था कि वह पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा से जुड़े केस में हिस्सा न लें। धमकी में कहा गया था कि अब तक 1984 के सिख दंगों के एक भी गुनहगार को सजा नहीं मिली है।

कथक सम्राट बिरजू महाराज का हुआ निधन, पोते संग खेलते हुए आया हार्ट अटैक

नई दिल्ली (आरएनएस)। दुनिया भर में अपने कथक नृत्य के लिए मशहूर रहे बिरजू महाराज उर्फ पंडित ब्रजमोहन मिश्र का बीती देर रात निधन हो गया। 83 वर्षीय बिरजू महाराज की हार्ट अटैक के चलते मौत की खबर मिली है। बीती देर रात बिरजू महाराज अपने पोते के साथ खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया और वह अचेत हो गए। इसके बाद उन्हें परिजन दिल्ली के ही साकेत के एक अस्पताल में ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कुछ दिन पहले ही वह किडनी की समस्या से उबरे थे और फिलहाल डायलिसिस पर थे। पंडित बिरजू महाराज के निधन से भारतीय कला जगत ने अपने एक अनूठे कलाकार को खो दिया है।

पंडित जी या महाराज जी के उपनाम से लोकप्रिय रहे बिरजू महाराज को देश के शीर्ष कथक नृतकों में से एक माना जाता रहा है। दशकों से वह कला जगत के सिरमौर रहे हैं। उनका संबंध कथक नृतकों के महाराज परिवार से रहा है। उनके चाचा शंभू महाराज और लच्छू महाराज भी कथक के नृतक थे। इसके अलावा उनके पिता और गुरु अच्छन महाराज भी हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक के बड़े कलाकार थे। कथक नृत्य के जरिए सामाजिक संदेश देने के लिए बिरजू महाराज को हमेशा याद किया जाएगा।

जबरन किसी को टीका नहीं लगा सकते: केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने कहा है कि किसी को टीका लगवाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका के जवाब में दाखिल हलफनामें में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह बात कही.भारत सरकार ने कहा है कि किसी को कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट को दिए एक हलफनामे में केंद्र सरकार ने बताया है कि टीकाकरण को लेकर जारी उसके दिशा-निर्देश बिना किसी व्यक्ति की असहमति के उसे टीका लगाने को नहीं कहते. विकलांगों को टीकाकरण का सबूत दिखाने से छूट देने के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि ऐसी कोई मानक प्रक्रिया नहीं है जिसके तहत कोविड वैक्सीन के सर्टिफिकेट को दिखाना अनिवार्य होगा. सरकार ने यह हलफनामा एक सामाजिक संस्था ईवारा फाउंडेशन की याचिका के जवाब में दाखिल किया है. जबरन नहीं लगा सकते टीका ईवारा फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपील की है कि सरकार को निर्देश दिए जाएं कि विकलांग लोगों को घर-घर जाकर कोविड का टीका लगाया जाए.

इसके जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से एक हलफनामा दाखिल किया गया है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है, भारत सरकार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी दिशा निर्देशों में संबंधित व्यक्ति की सहमति के बिना जबरन टीकाकरण का कोई प्रावधान नहीं है. जारी महामारी के मद्देनजर कोविड-19 टीकाकरण आम जनहित में जरूरी है. मंत्रालय ने कहा कि टीकाकरण के बारे लोगों को जागरूक करने के लिए समुचित विज्ञापन, संचार और सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रचार किया जा रहा है कि सभी नागरिकों को टीका लगवाना चाहिए. इसके लिए व्यवस्थाओं और प्रक्रिया के बारे में भी बताया जा रहा है. लेकिन किसी को भी उसकी इच्छा के खिलाफ टीका लगवाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता. लक्ष्य चूका भारत भारत में अब तक 69 प्रतिशत वयस्क आबादी को कोविड वैक्सीन के दोनों टीके लग चुके हैं. रविवार को भारत में टीकाकरण की शुरुआत का एक साल पूरा होने के मौके सरकार ने यह जानकारी दी. 1.3 अरब की आबादी वाले देश में 16 जनवरी 2021 को टीकाकरण की शुरुआत हुई थी.

गैंग्स आफ वासेपुर : डान फहीम के करीबी की हत्या में शामिल शूटर का आत्मसमर्पण, धनबाद कोर्ट ने भेजा जेल

धनबाद (आरएनएस)। झारखण्ड के धनबाद में गैग्स आफ वासेपुर के डान के नाम से मशहूर फहीम खान के करीबी जमीन कारोबारी महताब आलम उर्फ नन्हे हत्याकांड में नामजद शूटर हैदर ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिसिया दबाव के बाद हैदर ने सोमवार को धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजय कुमार सिंह की अदालत में आत्मसमर्पण किया।

गैंग्स आफ वासेपुर के डान फहीम खान के करीबी जमीन कारोबारी नन्हे की हत्या में शामिल शूटर हैदर ने आत्मसमर्पण कर दिया है। हैदर ने सोमवार को धनबाद कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। इसके बाद उसे 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया गया।

24 नवंबर, 2021 को दोहर 3.20 बजे के करीब वासेपुर में नन्हे को गोलयों से भून दिया गया। दो बाइक पर सवार चार शूटरों ने बुलेट से जा रहे 37 वर्षीय नन्हे पर गोलियां की बौछार कर दी। घटना को अंजाम देकर अपराधी आराम से भाग निकले थे। घटना के बाद डान फहीम को चुनौती दे रहे उनके भांजे प्रिंस खान ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। फहीम खान को जेल भेज दिया है । धनबाद के बैंक मोड़ थाना की पुलिस को शूटर हैदर की तलाश थी। पुलिस को भनक तक नहीं लगी और हैदर ने अदालत में आकर आत्मसमर्पण कर दिया।

अधिवक्ता धर्म कुमार वर्णवाल एवं अपर लोक अभियोजक जब्बार हुसैन की दलील सुनने के बाद अदालत ने हैदर की जमानत अर्जी खारिज कर दी और उसे 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया है । धनबाद के बैंक मोड़

अरशद खान, मो शाहबाज आलम, मो सद्दाम कुरैशी, मो अनवर उर्फ़ रहमत शामिल है। वही प्रिंस की मां नासरीन खातून को मामले का मास्टरमाइंड बताया था। इसके बाद से शूटर हैदर की तलाश की जा रही थी।

हत्या की जिम्मेदारी ली थी। फहीम खान इस समय जमशेदपुर के घाघीडह जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने 7 अपराधियों को 30 नवंबर 21 को गिरफ्तार किया था। जिसमे मो रशीद हसन, डिक्की अंसारी, आजाद आलम उर्फ़ आजाद खान, अरशद खान, मो शाहबाज आलम, मो सद्दाम कुरैशी, मो अनवर उर्फ़ रहमत । गैग्स आफ वासेपुर में इस समय विस्फोटक हालात है। वासेपुर गैंग पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए डान फहीम खान और भनके भांजे के बीच टकराव है। प्रिंस खान के नजदीकी जमीन कारोबारी लाला खान की कुछ दिनों पहले हत्या कर दी गई थी।

मार्च से शुरू हो जाएगा 12-14 साल के बच्चों का टीकाकरण

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोनावायरस टीकाकरण की रफ्तार तेजी से बढ़ती जा रही है। इस बीच केंद्र सरकार के कोविड-19 वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर एनके अरोड़ा ने ऐलान किया है कि भारत में 12 से 14 साल के बच्चों का टीकाकरण मार्च में शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि तब तक 15 से 18 साल के किशोरों का टीकाकरण पूरा हो जाने की उम्मीद है।

देश में 15-18 आयु वर्ग के 7.5 करोड़ लोग हैं। इनमें से 3.45 करोड़ किशोरों को कोरोना की वैक्सीन लग चुकी है। चूंकि, किशोरों को कोवाक्सिन लगाई जा रही है, इसलिए 28 से 42 दिन के अंदर उन्हें टीके की दूसरी खुराक भी दे दी जाएगी। यानी 15-18 आयु वर्ग का वैक्सिनेशन मार्च तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद 12 से 14 साल वाले बच्चों का टीकाकरण पूरे जोर-शोर से शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि 15 से 18 आयु वर्ग के किशोर टीकाकरण प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और टीकाकरण की इस गति को देखते हुए इस आयु वर्ग के बाकी लाभार्थियों को जनवरी के अंत तक पहली खुराक लग जाने की संभावना है और उसके बाद उनकी दूसरी खुराक फरवरी के अंत तक दिए जाने की उम्मीद है।

दिल्ली की सड़कों पर पहली इलेक्ट्रिक बस दौड़ी, दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन में नए युग की शुरुआत : केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस) । दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में आज एक नए युग की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आईपी डिपो से पहली इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि आज से दिल्ली की सड़कों पर पहली इलेक्ट्रिक बस चलनी शुरू हो गई है। डीटीसी के बेड़े में जल्द ही 300 इलेक्ट्रिक बसें और जुड़ेंगी। दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में यह बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है और अगले कुछ वर्षों में दो हजार और इलेक्ट्रिक बसें लाने का हमारा लक्ष्य है। 2011 के बाद से आज तक डीटीसी के बेड़े में एक भी नई बस नहीं आई थी, आज यह पहली बस शामिल हुई है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली निवासियों से अपील करते हुए कहा कि आप भी अपने वाहन को इलेक्ट्रिक में स्विच कर प्रदूषण के ख़िलाफ़ इस जंग में अपना योगदान ज़रूर दें। वहीं, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि आज डीटीसी की पहली इलेक्ट्रिक बस को सीएम अरविंद केजरीवाल ने जनता को समर्पित किया। पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के साथ ही हम दिल्लीवासियों को विश्वस्तरीय सुगम परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध हैं।

अरविंद केजरीवाल ने आज डीटीसी की पहली इलेक्ट्रिक (वातानुकुलित) बस का उद्घाटन किया। यह बस रूट संख्या ई-44 पर आईपी डिपो से सर्कुलर सेवा के रूप में चलेगी। यह बस सेवा सुबह 5:30 बजे से रात 8:20 बजे तक आईपी डिपो से उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन्द्रप्रस्थ डिपो से डीटीसी की पहली इलेक्ट्रिक (वातानुकुलित) बस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और दिल्ली परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के साथ बस के अंदर यात्रियों के लिए दी गई आधुनिक सुविधाओं का मौका मुआयना किया और अधिकारियों ने बस में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दिल्ली की यह पहली इलेक्ट्रिक बस आईपी डिपो से आईटीओ एजीसीआर, तिलक मार्ग, मंडी हाउस, बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस, जनपथ, राजेश पायलट रोड, पृथ्वीराज रोड, अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग, रिंग रोड, साउथ एक्सटेंशन, आश्रम, भोगल, जंगपुरा, इंडिया गेट, हाई कोर्ट और प्रगति मैदान होकर गुजरेगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली की पहली इलेक्ट्रिक बस सड़क पर उतरी है। आज का दिन कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, दिल्ली में ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हुई है। इलेक्ट्रिक से चलने वाली पहली बस आज सड़क पर उतरी है। मैं समझता हूं कि आने वाले वर्षों के अंदर जैसे-जैसे पुरानी बसें हटती जाएंगी, वैसे-वैसे इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली की सड़कों पर आती जाएंगी। प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में यह बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इस बस के चलने के दौरान आवाज नहीं आती है और इस बस से जरा सा भी धुंआ नहीं निकलता है। आज पहली बस सड़क पर उतरी है और हमें उम्मीद है कि अप्रैल तक 300 बसें आ जाएंगी। इसके बाद हमारा लक्ष्य अगले कुछ वर्षों के अंदर दो हजार और इलेक्ट्रिक बसें लाने का है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में एक और बड़ी बात यह हुई है कि 2011 के बाद से आज तक डीटीसी के बेड़े में एक भी नई बस नहीं आई थी। कुछ न कुछ ग्रहण लगा हुआ था।